https://kvsangathan.nic.in/ | @KVSHQ | @KVS_HQ | @kvshqr | KVS HQ

नई दिल्ली | के.वि.सं. (मु.)

संस्करण: जुलाई 2026
वर्ष-2, अंक- 1
4 पृष्ठ

केन्द्रीय विद्यालय क्रॉनिकल

तत् त्वं पूषन् अपावृणु

** यह 'केन्द्रीय विद्यालय क्रॉनिकल' के अंग्रेज़ी संस्करण का हिंदी अनुवाद है।*

संपादकीय

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस
भारत की संस्कृति का वैश्विक उत्सव

21 जून 2026 को 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के आयोजन ने एक बार फिर यह प्रदर्शित किया कि भारत की एक प्राचीन परंपरा किस प्रकार स्वास्थ्य, सामंजस्य और समग्र कल्याण के लिए एक वैश्विक जन-आंदोलन का रूप ले चुकी है। माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी प्रस्ताव के रूप में जो पहल प्रारंभ हुई थी, वह आज विश्व के सबसे व्यापक रूप में मनाए जाने वाले अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में से एक बन चुकी है। संयुक्त राष्ट्र ने इस प्रस्ताव को रिकॉर्ड 177 सह-प्रायोजक देशों के समर्थन के साथ स्वीकार किया था, जो महासभा में किसी भी प्रस्ताव के लिए अब तक का सर्वाधिक समर्थन था। आज महानगरों से लेकर दूरस्थ गांवों तक, विश्व के विभिन्न महाद्वीपों में लाखों लोग प्रतिवर्ष योग की कालातीत ज्ञान परंपरा को अपनाने के लिए एक साथ आते हैं।

योग केवल शारीरिक आसनों की एक श्रृंखला नहीं है। यह जीवन जीने की एक संपूर्ण पद्धति है, जो शरीर का पोषण करती है, मन को शांत करती है और आत्मविश्वास को बढ़ाती है। तनाव, जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों और मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों से भरे वर्तमान समय में योग स्वास्थ्य की दिशा में एक प्राकृतिक, सुलभ और निःशुल्क मार्ग प्रदान करता है। यह अनुशासन, सजगता, भावनात्मक दृढ़ता और आंतरिक शांति का विकास करता है तथा शारीरिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाता है। वास्तव में, योग एक ऐसी अमूल्य औषधि है, जिसके लिए किसी चिकित्सकीय पर्चे की आवश्यकता नहीं होती और जो आयु, राष्ट्रीयता या पृष्ठभूमि की परवाह किए बिना प्रत्येक व्यक्ति के लिए लाभकारी है।

योग की यह भावना देशभर के केन्द्रीय विद्यालयों में भी उत्साहपूर्वक दिखाई दी, जहाँ विद्यार्थियों, शिक्षकों और कर्मचारियों ने पूरे उत्साह के साथ योग दिवस के आयोजन में भाग लिया। विशेष रूप से बच्चों में बढ़ती जागरूकता अत्यंत प्रेरणादायक है। आज विद्यार्थी विभिन्न आसनों को आत्मविश्वास के साथ पहचानते हैं, उनके लाभों को समझते हैं और विद्यालय तथा घर दोनों स्थानों पर उनका नियमित अभ्यास करते हैं। वे केवल प्रारंभिक आयु से ही स्वस्थ आदतों को नहीं अपना रहे हैं, बल्कि स्वास्थ्य और कल्याण के दूत बनकर अपने परिवार और समाज को भी योग को जीवन-पद्धति के रूप में अपनाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की सफलता केवल इसके वार्षिक आयोजन में नहीं, बल्कि जीवनभर के लिए स्वस्थ आदतों को प्रेरित करने की इसकी क्षमता में निहित है। जैसे-जैसे योग सीमाओं, संस्कृतियों और भाषाओं से आगे बढ़कर लोगों को एक सूत्र में जोड़ रहा है, वैसे-वैसे यह शांति, संतुलन, सामंजस्य और सामूहिक कल्याण जैसे सार्वभौमिक मूल्यों को और अधिक सुदृढ़ कर रहा है।

विश्वभर में योग की बढ़ती स्वीकृति इस बात का स्मरण कराती है कि वास्तविक प्रगति का मापदंड केवल तकनीकी उन्नति नहीं, बल्कि मानवता का स्वास्थ्य, प्रसन्नता और आंतरिक कल्याण भी है। आइए, हम सभी योग को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का संकल्प लें। स्वस्थ शरीर, शांत मन और जागृत आत्मा का निर्माण करके हम अधिक सशक्त व्यक्तियों, अधिक स्वस्थ समाज और अधिक सामंजस्यपूर्ण विश्व का निर्माण कर सकते हैं।

~ **विकास गुप्ता,** आईएएस
■ *आयुक्त के.वि.सं.*

विद्यालयी विकास का आधार
प्रभावी एवं सुदृढ़ प्रशासन

नीलम
■ *संयुक्त आयुक्त (प्रशा.), के.वि.सं. (मु.)*

केन्द्रीय विद्यालय संगठन में प्रशासन विद्यार्थियों की सफलता का सुदृढ़ आधार है। यह एक मजबूत नींव के रूप में निरंतर समर्पण और निष्ठा के साथ पर्दे के पीछे से कार्य करता है तथा यह सुनिश्चित करता है कि प्रत्येक विद्यालय सुरक्षित, स्वच्छ और आधुनिक सुविधाओं से युक्त हो।

प्रशासन का प्रमुख उद्देश्य विद्यार्थियों के लिए उत्कृष्ट शिक्षण वातावरण का निर्माण करना है। हम चाहते हैं कि प्रत्येक बच्चा प्रतिदिन सीखने, आगे बढ़ने और अपनी सर्वोत्तम क्षमता का प्रदर्शन करने के अवसर प्राप्त करे।

कक्षाओं का आधुनिकीकरण

विद्यालयों को आधुनिक, आकर्षक और बेहतर शिक्षण वातावरण में परिवर्तित किया जा रहा है।
- आधुनिक विज्ञान प्रयोगशालाओं का निर्माण।
- रंग-बिरंगी, आनंददायक और आकर्षक प्राथमिक कक्षाओं का निर्माण।
- खेल गतिविधियों को सुरक्षित बनाने के लिए खेल के मैदानों का सुधार।

हरित और स्वच्छ परिसर की ओर

विद्यालय परिसरों में सतत विकास को एक अभिन्न भाग बनाया जा रहा है।
- विद्यालयों की छतों पर सौर पैनलों की स्थापना।
- वर्षा जल संचयन प्रणालियों की स्थापना।
- बच्चों को अपशिष्ट कम करने के लिए प्रेरित करना।
- परिसर को प्लास्टिक-मुक्त क्षेत्र बनाना।।

स्मार्ट प्रशासन

समय की बचत के लिए कार्यालयी कार्यों को ई-ऑफिस के माध्यम से ऑनलाइन किया जा रहा है। निर्णय लेने की प्रक्रिया को अधिक तेज़ और प्रभावी बनाने के लिए डिजिटल प्रणालियों का उपयोग किया जाता है।
- विद्यालयों में प्रवेश प्रक्रिया अब पारदर्शी और ऑनलाइन है।
- कार्यालयों में प्रतिदिन कागज़ का कम उपयोग किया जा रहा है।
- विद्यालयों को आवश्यक धनराशि अधिक शीघ्र पहुँच रही है।

सुरक्षा सर्वोपरि

विद्यार्थियों की सुरक्षा से बढ़कर कुछ भी नहीं है। सभी विद्यालय में सुरक्षा के कड़े मानकों का पालन किया जाता है।
- प्रत्येक विद्यालय में कार्यशील सीसीटीवी कैमरे उपलब्ध हैं।
- नियमित रूप से अग्नि सुरक्षा अभ्यास आयोजित किए जाते हैं।
- स्वच्छ पेयजल की गुणवत्ता की निरंतर जाँच की जाती है।

उत्तम प्रशासन शिक्षकों को शिक्षण पर पूरा ध्यान केंद्रित करने में सहायता प्रदान करता है। यह विद्यार्थियों को सीखने पर पूर्ण रूप से ध्यान देने में सक्षम बनाता है। हम सब मिलकर भारत के बेहतर भविष्य का निर्माण कर रहे हैं।

13वां उपायुक्त सम्मेलन
उत्कृष्ट शिक्षा की दिशा में एक सशक्त पहल

नई दिल्ली: 22 से 24 जून 2026 तक नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित केन्द्रीय विद्यालय संगठन के 13वें वार्षिक उपायुक्त सम्मेलन का उद्घाटन शिक्षा मंत्रालय के स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के सचिव, श्री संजय कुमार ने किया। इस तीन दिवसीय सम्मेलन में केन्द्रीय विद्यालय संगठन के आयुक्त श्री विकास गुप्ता, केन्द्रीय विद्यालय संगठन (मु.) के वरिष्ठ अधिकारी, सभी 25 क्षेत्रीय कार्यालयों के उपायुक्त तथा सभी आंचलिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थानों (ZIETs) के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

"गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को अपनाना: समानता, उत्कृष्टता और सशक्तिकरण" विषय पर आयोजित यह सम्मेलन विद्यालयी शिक्षा को सुदृढ़ बनाने में केन्द्रीय विद्यालय संगठन की भूमिका को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए एक महत्त्वपूर्ण रणनीतिक मंच सिद्ध हुआ। सम्मेलन में राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के प्रभावी क्रियान्वयन की प्रगति की समीक्षा, श्रेष्ठ कार्यप्रणालियों का आदान-प्रदान, उभरती चुनौतियों पर विचार-विमर्श तथा केन्द्रीय विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता, समानता और प्रभावशीलता को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए भावी रणनीतियों पर विस्तृत चर्चा की गई।

के.वि.सं. में क्षमता निर्माण: गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का आधार

पी.आई.टी. राजा
■ *निदेशक, ज़ीट मैसूरु*

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भारतीय शिक्षा में एक परिवर्तनकारी बदलाव का प्रतीक है, जो क्षमता-आधारित, अनुभवात्मक, बहु-विषयक और प्रौद्योगिकी-सक्षम शिक्षण पर बल देती है। इन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए शिक्षकों का सतत व्यावसायिक विकास (CPD) अत्यंत आवश्यक है। केन्द्रीय विद्यालय संगठन ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के उद्देश्यों को प्रभावी कक्षा अभ्यासों में परिवर्तित करने हेतु एक सुदृढ़ प्रशिक्षण पारिस्थितिकी तंत्र स्थापित किया है।

के.वि.सं. में प्रशिक्षण को केवल एक औपचारिक या कभी-कभार की जाने वाली प्रशासनिक गतिविधि के रूप में नहीं, बल्कि एक रणनीतिक निवेश के रूप में देखा जाता है। यह शिक्षकों, विद्यालय नेतृत्व और प्रशासन को 21वीं सदी के शिक्षार्थियों की आवश्यकताओं को पूरा करने हेतु आवश्यक कौशलों से सुसज्जित करता है। नियमित क्षमता निर्माण कार्यक्रमों के माध्यम से शिक्षकों को जिज्ञासा-आधारित शिक्षण, समावेशी शिक्षण पद्धतियों तथा एनसीएफ-एसई 2023 के अनुरूप नवीन मूल्यांकन विधियों को अपनाने के लिए प्रेरित किया जाता है।

पाँच आंचलिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, जो भुवनेश्वर, चंडीगढ़, ग्वालियर, मुंबई और मैसूरु में स्थित हैं, केन्द्रीय विद्यालय संगठन के 25 संभागों में पेशेवर विकास की रीढ़ के रूप में कार्य करते हैं। ये संस्थान शैक्षणिक पद्धतियों, नेतृत्व क्षमताओं, मानसिक कल्याण के प्रति जागरूकता तथा समावेशी कक्षा प्रबंधन को सुदृढ़ करके समग्र संकाय विकास में सहायता प्रदान करते हैं।

राष्ट्रीय नीति निर्देश > ज़ीट क्षमता निर्माण > क्षेत्रीय कार्यालय स्तर पर मार्गदर्शन > भविष्य के लिए तैयार कक्षाएँ

ज़ीट आकर्षक शिक्षण संसाधनों के विकास में महत्त्वपूर्ण योगदान देते हैं, साथ ही कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI), डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म तथा STEAM शिक्षा जैसे उभरते शैक्षणिक रुझानों के समावेशन को भी प्रोत्साहित करते हैं। ये संस्थान श्रेष्ठ कार्यप्रणालियों, पाठ योजना तथा नवीन शिक्षण रणनीतियों के डिजिटल संग्रह का निर्माण भी करते हैं। इसके अतिरिक्त, ये पीएम श्री निधियों के प्रभावी उपयोग में सहायता प्रदान करते हैं, जिसके अंतर्गत उच्च गुणवत्ता वाले शिक्षण सामग्री, दृश्य संसाधन तथा अनुभवात्मक शिक्षण किटों का विकास और प्रसार शामिल है।

ज़ीट आधारित क्षमता निर्माण और पीएम श्री पहलों के बीच का समन्वय राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को प्रभावी रूप से क्रियान्वित करने में सहायता करता है, जिसके माध्यम से नीति के लक्ष्यों को व्यावहारिक कक्षा-स्तरीय हस्तक्षेपों में परिवर्तित किया जाता है। निरंतर प्रशिक्षण, डिजिटल नवाचार और संसाधन अनुकूलन के माध्यम से केन्द्रीय विद्यालय संगठन शिक्षकों को भविष्य के लिए तैयार पेशेवर बनने में सक्षम बनाता है तथा सभी शिक्षार्थियों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करता है। व्यावसायिक विकास पर यह सतत ध्यान केन्द्रीय विद्यालय संगठन की सार्वजनिक विद्यालय शिक्षा में अग्रणी भूमिका को सुदृढ़ करता है और ज्ञानवान, कुशल तथा उत्तरदायी नागरिकों के निर्माण में योगदान देता है।

निम्न प्रशिक्षण सामग्री नियमित रूप से अपडेट की जाती है:
- कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) उपकरण
- डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म एवं एजुकेशनल टेक्नोलॉजी (EdTech)
- STEAM एवं अंतः विषयक शिक्षण

पिछले 5 वर्षों में ज़ीट द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों की संख्या

ज़ीट	ज़ीट भुवनेश्वर		ज़ीट चंडीगढ़		ज़ीट ग्वालियर		ज़ीट मुंबई		ज़ीट मैसूरू	
वर्ष	संचालित पाठ्यक्रम	प्रतिभागी	संचालित पाठ्यक्रम	प्रतिभागी	संचालित पाठ्यक्रम	प्रतिभागी	संचालित पाठ्यक्रम	प्रतिभागी	संचालित पाठ्यक्रम	प्रतिभागी
2021-22	17	1548	14	540	7	154	17	695	4	195
2022-23	22	1337	30	1908	26	833	27	1596	13	427
2023-24	30	1157	31	1273	29	960	25	993	26	348
2024-25	45	2113	47	2325	46	1886	45	2287	81	4608
2025-26	65	3045	53	2610	76	3665	31	1399	90	3263

श्रेष्ठ कार्यप्रणालियाँ

आरोहण: निरंतर अधिगम की ओर एक सशक्त कदम

शैक्षणिक मूल्यांकन, रिपोर्टिंग एवं संवर्धन का एकीकृत ऑनलाइन मंच

डॉ. आर. सेंथिल कुमार
उपायुक्त, के.वि.सं. क्षेत्रीय कार्यालय चेन्नई

केन्द्रीय विद्यालय संगठन क्षेत्रीय कार्यालय चेन्नई के अंतर्गत 54 केन्द्रीय विद्यालयों की कक्षाओं में एक सशक्त डिजिटल परिवर्तन धीरे-धीरे यह रूपांतरित कर रहा है कि विद्यार्थियों की अधिगम प्रक्रिया को किस प्रकार निरंतर रूप से ट्रैक, संवर्धित और सुदृढ़ किया जाए। इस परिवर्तन के केंद्र में **AAROHAN:** ***Academic Assessment & Reporting Online Hub for Analysis and Nurturing*** स्थित है। यह प्लेटफ़ॉर्म शिक्षण का एक प्रभावी और विश्वसनीय सहयोगी बनकर उभरा है। एक सहायक मूल्यांकन प्रणाली के रूप में विकसित किया गया आरोहण, पारंपरिक परीक्षाओं को यथावत रखते हुए सतत क्षमता-आधारित मूल्यांकन को सशक्त रूप से सक्षम बनाता है।

व्यापक स्तर पर शिक्षण

इस प्लेटफ़ॉर्म के माध्यम से 60,000 से अधिक विद्यार्थी एवं लगभग 2,000 शिक्षक जुड़े हुए हैं। इस पर अब तक 4.76 लाख से अधिक परीक्षा प्रयास दर्ज किए जा चुके हैं। विद्यालय में अथवा घर से, विद्यार्थी नियमित रूप से समय-सीमित मूल्यांकनों में भाग लेते हैं, जो क्षमता-आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों पर आधारित होते हैं और विश्लेषणात्मक चिंतन, तीव्रता तथा परीक्षा की तैयारी के लिए प्रोत्साहित करते हैं।

मापदंड	कुल संचयी संख्या
कार्यरत केन्द्रीय विद्यालय	54
पंजीकृत विद्यार्थी	60,212
कार्यरत शिक्षक	1,983
कुल परीक्षा प्रयास (नियमित एवं अभ्यास परीक्षा)	4,76,750
कम से कम 1 परीक्षा में सम्मिलित विशिष्ट विद्यार्थी	60,473

डाटा का शैक्षणिक सहयोग में परिवर्तन

आरोहण मूल्यांकन को उपयोगी और क्रियाशील शैक्षणिक अंतर्दृष्टि में परिवर्तित करने में सक्षम है। शिक्षकों को तत्काल प्रदर्शन संबंधी डाटा प्राप्त होता है, जिससे वे प्रारंभिक स्तर पर ही सीखने की कमियों की पहचान कर सकते हैं और लक्षित सुधारात्मक योजनाएँ तैयार कर सकते हैं। अभिभावक भी अपने बच्चों की प्रगति पर निगरानी रख सकते हैं, जिससे विद्यालय और घर के बीच एक सशक्त शैक्षणिक साझेदारी विकसित होती है।

इस प्लेटफ़ॉर्म ने शैक्षणिक सहयोग को भी प्रोत्साहित किया है। क्षेत्रीय स्तर पर विकसित मानकीकृत मूल्यांकन न केवल एकरूपता सुनिश्चित करते हैं, बल्कि शिक्षकों को डिजिटल प्रश्न बैंक के निरंतर विस्तारित होते संग्रह में योगदान देने का अवसर भी प्रदान करते हैं।

महीना	निर्धारित कार्य	दर्ज किए गए प्रयासों की संख्या
नवम्बर 2025	198	1,04,666
दिसम्बर 2025	118	76,078
जनवरी 2026	36	67,248
फरवरी 2026	14	38,482
मार्च 2026	3	250
अप्रैल 2026	18	43,916 * ग्रीष्मकालीन पाठन अभियान
मई 2026	—	53,354 * ग्रीष्मकालीन पाठन अभियान
जून 2026	—	25,633 * ग्रीष्मकालीन पाठन अभियान

विद्यालयी सत्र के बाद भी निरंतर सीखते रहना

इसका प्रभाव विशेष रूप से समर कनेक्ट रीडिंग चैलेंज 2026 के दौरान स्पष्ट रूप से देखा गया। द्विभाषी (हिन्दी और अंग्रेज़ी) पठन गतिविधियों के माध्यम से, हजारों विद्यार्थियों ने अवकाश अवधि में भी अपनी सीखने की प्रक्रिया को जारी रखा। उन्होंने सैकड़ों अनुच्छेदों और बोधगम्य अभ्यासों के साथ सहभागिता की, जिन्हें साक्षरता और शब्दावली को सुदृढ़ करने के लिए तैयार किया गया था।

इस अभियान में शामिल शैक्षणिक संसाधनों का विवरण निम्नलिखित है:

- कक्षा-वार प्रश्नपत्र: कुल 18 प्रश्नपत्र (12 अंग्रेज़ी, 6 हिन्दी)
- पठन अनुच्छेद: कुल 431 अनुच्छेद (280 अंग्रेज़ी, 151 हिन्दी)
- बोधगम्य प्रश्न: कुल 2,807 प्रश्न (1,946 अंग्रेज़ी, 861 हिन्दी)

पठन चुनौती मूल्यांकन सूचक	07.06.2026 तक परीक्षा देने वाले विद्यार्थियों की संख्या
कम से कम 1 पठन चुनौती परीक्षा में सम्मिलित विशिष्ट विद्यार्थी	36,309
प्रस्तुत एवं अंतिमीकृत प्रयासों सहित	20,373
आंशिक रूप से पूर्ण प्रयासों सहित	18,730
कुल प्रयास अभिलेख (विभिन्न माध्यम—जैसे अंग्रेज़ी + हिन्दी	55,690

आगे की राह

ऐसे समय में, जब शिक्षा के क्षेत्र में व्यक्तिगत आवश्यकताओं के अनुरूप सीखने और समय पर प्रतिपुष्टि की आवश्यकता निरंतर बढ़ रही है, आरोहण यह दर्शाता है कि प्रौद्योगिकी शिक्षक की भूमिका का स्थान लेने के बजाय उसे और अधिक प्रभावी बना सकती है। यह केवल एक डिजिटल मूल्यांकन मंच नहीं, बल्कि सतत अधिगम, सूचनापरक शिक्षण तथा आँकड़ों पर आधारित शैक्षणिक सहयोग की दिशा में एक सार्थक पहल है, जो प्रत्येक विद्यार्थी को सफलता की सीढ़ियाँ और अधिक ऊँचाई तक चढ़ने में समर्थ बनाती है।

'स्मार्ट स्टडी' अभियान
आईआईटी खड़गपुर बना रहा आत्मनिर्भर शिक्षार्थी

डॉ. रिकिशा भौमिक
प्राचार्या, पीएम श्री के.वि. क्र.1, आईआईटी खड़गपुर

पीढ़ियों से विद्यार्थियों के लिए परीक्षाओं में एक चिरपरिचित साथी रहती है: चिंता। प्रदर्शन का दबाव और भूल जाने का भय लंबे समय से शैक्षणिक अनुभव का हिस्सा रहे हैं। परीक्षा पे चर्चा जैसी पहलों ने विद्यार्थियों को परीक्षाओं के प्रति आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया है।
इस दृष्टिकोण से प्रेरित होकर, पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय आईआईटी खड़गपुर ने अध्ययन कौशल अभियान की शुरुआत की, जो एक नवाचारी विद्यालय-स्तरीय कार्यक्रम है, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों को आवश्यक स्व-अध्ययन और स्व-निर्देशित सीखने के कौशल से सुसज्जित करना है।

सत्रांत परीक्षाओं से पहले के सप्ताहों में शुरू किए गए इस कार्यक्रम ने सुबह की प्रार्थना सभाओं को "स्मार्ट स्टडी सीरीज़" के माध्यम से एक जीवंत शिक्षण स्थल में परिवर्तित कर दिया। नियमित घोषणाओं के स्थान पर, विद्यार्थियों को व्यावहारिक और शोध-आधारित अध्ययन तकनीकों से परिचित कराया गया, जो सीखने को सरल, तेज़ और अधिक अर्थपूर्ण बना सकती हैं।

स्मरण शक्ति बढ़ाने वाली तकनीकों जैसे निमोनिक्स (स्मरण संकेत) और फ्लैशकार्ड से लेकर माइंड मैपिंग, नोट बनाना, की-वर्ड ट्रिगर्स और वन-पेज समरीज़ तक, विद्यार्थियों ने ऐसी रणनीतियाँ सीखीं जिनसे वे सूचनाओं को व्यवस्थित कर सकें और प्रभावी ढंग से पुनरावृत्ति कर सकें। उन्होंने स्किमिंग, स्कैनिंग और ब्लरटिंग जैसी पठन तकनीकों के साथ-साथ परीक्षा ब्लूप्रिंट का विश्लेषण करने और विषयों को प्राथमिकता देने के तरीके भी सीखे। इस अभियान की एक विशेषता इसकी समावेशिता भी थी।

विद्यालय के प्रत्येक विद्यार्थी ने इसमें भाग लिया, जिससे स्मार्ट लर्निंग की एक साझा संस्कृति विकसित हुई। "स्टडी बडीज़" की शुरुआत ने सहयोग, सहपाठी समर्थन और सामूहिक विकास को और प्रोत्साहित किया। इसका प्रभाव शीघ्र ही दिखाई देने लगा। विद्यार्थियों ने परीक्षाओं के प्रति अपने दृष्टिकोण में अधिक संगठन, तैयारी और आत्मविश्वास महसूस करने की बात कही। विद्यालय ने भी शैक्षणिक प्रदर्शन में उत्साहजनक सुधार देखा।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह रही कि इस पहल ने केवल अंकों पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय आजीवन सीखने के कौशलों पर ध्यान केंद्रित किया। विद्यार्थियों को अपने सीखने की यात्रा की जिम्मेदारी लेने में सक्षम बनाकर, अध्ययन कौशल अभियान केवल परीक्षा-तैयारी कार्यक्रम से आगे बढ़कर एक ऐसा कदम बन गया है, जो आत्मनिर्भर शिक्षार्थियों को तैयार करता है, जो कक्षा से कहीं आगे सफलता के लिए सुसज्जित हैं।

- अधिकांश विद्यार्थी परिश्रम तो करते हैं, लेकिन प्रभावी ढंग से अध्ययन करना नहीं जानते। स्मार्ट स्टडी ड्राइव इस अंतर को दूर करने का कार्य करती है।
- विद्यार्थियों ने स्वयं को पहले की अपेक्षा अधिक आत्मविश्वासी और व्यवस्थित महसूस किया।
- शिक्षकों ने परीक्षाओं में विद्यार्थियों के प्रदर्शन में उल्लेखनीय सुधार देखा।

सक्सेस स्टोरी

राष्ट्रीय युवा संसद प्रतियोगिता के विजेता केन्द्रीय विद्यालयों का सम्मान

नई दिल्ली, 25 जून 2026: केन्द्रीय विद्यालयों हेतु आयोजित 36वीं राष्ट्रीय युवा संसद प्रतियोगिता 2025-26 के पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन संसद भवन परिसर स्थित पुस्तकालय भवन के जीएमसी बालयोगी सभागार में किया गया। समारोह की अध्यक्षता संसदीय कार्य राज्य मंत्री श्री अर्जुन राम मेघवाल ने की।

इस अवसर पर श्री अर्जुन राम मेघवाल ने प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले केन्द्रीय विद्यालयों को सम्मानित किया। डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय विद्यालय (उत्तर क्षेत्र) ने राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त कर प्रतिष्ठित सरदार वल्लभभाई पटेल रनिंग पार्लियामेंटरी शील्ड एवं ट्रॉफी अपने नाम की। वहीं राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले चार अन्य केन्द्रीय विद्यालयों को ज़ोनल विजेता पुरस्कार से नवाज़ा गया।

इसके अतिरिक्त श्री मेघवाल ने समारोह में 20 अन्य केन्द्रीय विद्यालयों को उनकी उत्कृष्ट उपलब्धि के लिए क्षेत्रीय विजेता पुरस्कार से भी सम्मानित किया। उल्लेखनीय है कि इस वर्ष यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता देशभर के 25 संभागों के 200 केन्द्रीय विद्यालयों के बीच आयोजित की गई थी।

प्रथम स्थान: डॉ. राजेन्द्र प्रसाद के.वि.-सरदार वल्लभभाई पटेल रनिंग पार्लियामेंटरी शील्ड एवं ट्रॉफी

ज़ोनल ट्रॉफी विजेता

के.वि. का नाम	के.वि.सं. क्षेत्रीय कार्यालय	ज़ोन
के.वि. मथुरा कैंट	आगरा	पश्चिम क्षेत्र
पीएम श्री के.वि. क्र.1 मदुरै	चेन्नई	दक्षिण क्षेत्र
पीएम श्री के.वि. क्र. 2 भोपाल	भोपाल	मध्य क्षेत्र
पीएम श्री के.वि. एएफएस बोरझार	गुवाहटी	पूर्वी क्षेत्र

यह उपलब्धि केन्द्रीय विद्यालय संगठन की उस सतत प्रतिबद्धता को दर्शाती है, जिसके तहत विद्यार्थियों में संसदीय जागरूकता, नेतृत्व, आलोचनात्मक चिंतन तथा उत्तरदायी नागरिकता जैसे लोकतांत्रिक मूल्यों का संवर्धन किया जाता है।

स्पेशल स्टोरी

के.वि.सं. स्पेशल स्टोरी

कृति पहल

कक्षा से प्रयोगशाला तक: के.वि. विद्यार्थियों की आईआईटी खड़गपुर में एक अनोखी नवाचार यात्रा

बंदना एस. कुमार
सहायक शिक्षा अधिकारी, के.वि.सं. (मु.)

केन्द्रीय विद्यालयों के विद्यार्थियों के लिए विद्यालय की कक्षाओं से भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर के व्याख्यान कक्षों तक की यह यात्रा एक प्रेरणादायक और परिवर्तनकारी शिक्षण अनुभव के तौर पर सामने आई है। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर ने अपनी KRITI पहल (Knowledge, Research and Innovation for Transformative Impact) के अंतर्गत कक्षा XI एवं XII (विज्ञान संकाय) के विद्यार्थियों के लिए छह सप्ताह का ऑफलाइन आवासीय कार्यक्रम आयोजित किया था। इस पहल के अंतर्गत विद्यार्थियों के लिए दो प्रमुख कार्यक्रम—RISE (रिसर्च एंड इनोवेशन समर एक्सपीरियंस) तथा i-KITES (इग्नाइटिंग नॉलेज, इनोवेशन, टेक्नोलॉजी एंड इंजीनियरिंग इन स्टूडेंट्स)—16 मई से 26 जून 2026 तक आयोजित किए गए। इस कार्यक्रम में देशभर के केन्द्रीय विद्यालयों से 127 विद्यार्थियों का चयन किया गया, ताकि उनमें वैज्ञानिक जिज्ञासा, रचनात्मकता और नवाचार की भावना को और अधिक प्रोत्साहित किया जा सके। इस कार्यक्रम ने विद्यार्थियों को अत्याधुनिक अनुसंधान, प्रौद्योगिकी तथा अंतर्विषयी अधिगम से प्रारंभिक और सशक्त परिचय प्राप्त करने का अवसर प्रदान किया।

पाठ्यपुस्तक से परे सीखने का अनुभव

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर के संकाय सदस्यों, वैज्ञानिकों, चिकित्सकों तथा अभियंताओं के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने प्रयोग आधारित अधिगम, प्रोटोटाइप विकास तथा समस्या-समाधान गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। उन्होंने अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं में कार्य करते हुए IoT, रोबोटिक्स, जल शुद्धीकरण, होम ऑटोमेशन, 3D प्रिंटिंग तथा इंजीनियरिंग डिज़ाइन से संबंधित परियोजनाओं को सफलतापूर्वक पूरा किया। इन अनुभवों ने विद्यार्थियों में जिज्ञासा, सहयोग, समालोचनात्मक चिंतन तथा नवाचार की भावना को विकसित किया और यह स्पष्ट किया कि वैज्ञानिक अवधारणाएँ किस प्रकार व्यावहारिक एवं वास्तविक जीवन के समाधान में परिवर्तित होती हैं।

- *IIT खड़गपुर के KRITI Initiative में केन्द्रीय विद्यालयों के 127 विद्यार्थियों की सहभागिता।*
- *16 मई से 26 जून 2026 तक आयोजित छह सप्ताह का आवासीय कार्यक्रम।*
- *RISE एवं i-KITES के माध्यम से अनुसंधान, प्रौद्योगिकी और नवाचार पर आधारित व्यावहारिक अधिगम।*
- *अत्याधुनिक विज्ञान, अंतर्विषयी अधिगम तथा वैज्ञानिक अनुसंधान से प्रारंभिक परिचय।*

प्रतिभागियों की आवाज़

विद्यार्थियों की प्रतिक्रियाएँ इस कार्यक्रम की सफलता को प्रभावशाली ढंग से दर्शाती हैं, जिसने उन्हें कक्षा से आगे बढ़कर सार्थक अधिगम का अनुभव प्रदान किया। अनेक विद्यार्थियों ने इसे वैज्ञानिक अनुसंधान से अपने प्रथम परिचय के रूप में वर्णित किया, जहाँ जिज्ञासा, प्रयोग तथा समालोचनात्मक चिंतन ने अधिगम की दिशा तय की। प्रतिभागियों ने विश्वस्तरीय प्रयोगशालाओं में कार्य करते हुए प्रतिष्ठित संकाय सदस्यों तथा शोधार्थियों के साथ संवाद के अवसर को अत्यंत मूल्यवान बताया। मार्गदर्शकों एवं सहपाठियों के समक्ष अपनी परियोजनाओं की प्रस्तुति ने उनके आत्मविश्वास, संप्रेषण कौशल, टीमवर्क तथा प्रस्तुतीकरण कौशल को और अधिक सुदृढ़ किया। इस अनुभव ने अनेक विद्यार्थियों को अनुसंधान, इंजीनियरिंग तथा नवाचार के क्षेत्र में करियर बनाने के लिए प्रेरित किया, साथ ही उन्हें देश के प्रतिष्ठित संस्थानों में अध्ययन करने के लिए भी उत्साहित किया।

विकास की एक प्रेरक यात्रा

इस आवासीय अनुभव ने विद्यार्थियों में आत्मनिर्भरता, अनुशासन तथा उत्तरदायित्व की भावना का विकास किया। विविध पृष्ठभूमियों से आए सहपाठियों के साथ रहकर और संवाद स्थापित कर उन्होंने सांस्कृतिक समझ, सहयोग तथा स्थायी मित्रताओं का निर्माण किया। छात्रावास जीवन, प्रयोगशाला भ्रमण, परिसर में सहभागिता तथा सांस्कृतिक गतिविधियों के समन्वय ने ऐसा समृद्ध शिक्षण वातावरण प्रदान किया, जिसने शैक्षणिक उत्कृष्टता के साथ-साथ विद्यार्थियों के समग्र व्यक्तित्व विकास को भी सशक्त बनाया।

KRITI Initiative अनुभवात्मक अधिगम का एक उत्कृष्ट उदाहरण है, जो विद्यालयी शिक्षा को उन्नत वैज्ञानिक अनुसंधान से जोड़ती है। यह प्रतिभाशाली विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, सृजनात्मकता तथा नवाचार की भावना का विकास करती है और उत्कृष्टता के प्रति केन्द्रीय विद्यालय संगठन की प्रतिबद्धता को प्रतिबिंबित करती है। सार्थक अवसरों के माध्यम से यह कार्यक्रम विद्यार्थियों को समालोचनात्मक रूप से सोचने, बड़े सपने देखने तथा भविष्य के वैज्ञानिक, अभियंता, नवप्रवर्तक और राष्ट्र-निर्माता के रूप में विकसित होने के लिए सशक्त बनाता है।

विद्यार्थियों ने निम्न विषयों के बारे में जाना
रोबोटिक्स
इंटरनेट ऑफ थिंग्स (IoT)
3डी प्रिंटिंग
स्मार्ट होम ऑटोमेशन
जल शुद्धीकरण प्रौद्योगिकियाँ
इंजीनियरिंग डिज़ाइन एवं प्रोटोटाइपिंग
उन्नत प्रयोगशाला प्रयोग

संस्कृत प्रवाह

शनैः पन्थाः शनैः कन्था शनैः पर्वतलङ्घनम्।
शनैर्विद्या शनैर्वित्तं पञ्चैतानि शनैः शनैः॥

भावार्थ

राह धीरे धीरे कटती है, कपड़ा धीरे धीरे बुनता है, पर्वत धीरे धीरे चढा जाता है, विद्या और धन भी धीरे-धीरे प्राप्त होते हैं, ये पाँचों धीरे धीरे ही होते हैं।

माह का प्रकाशन

पाठ्यचर्या में भाषा विकास

के.वि.सं. उपायुक्त सम्मेलन–2026 के अवसर पर विमोचित

केन्द्रीय विद्यालय संगठन की वेबसाइट के 'प्रशिक्षण' हेड के अंतर्गत उपलब्ध

विचारणीय विचार

"युगों की भारतभूमि न मरी है और न ही उसने अपनी अंतिम सृजनात्मक वाणी कही है।"

~ श्री अरबिंदो घोष

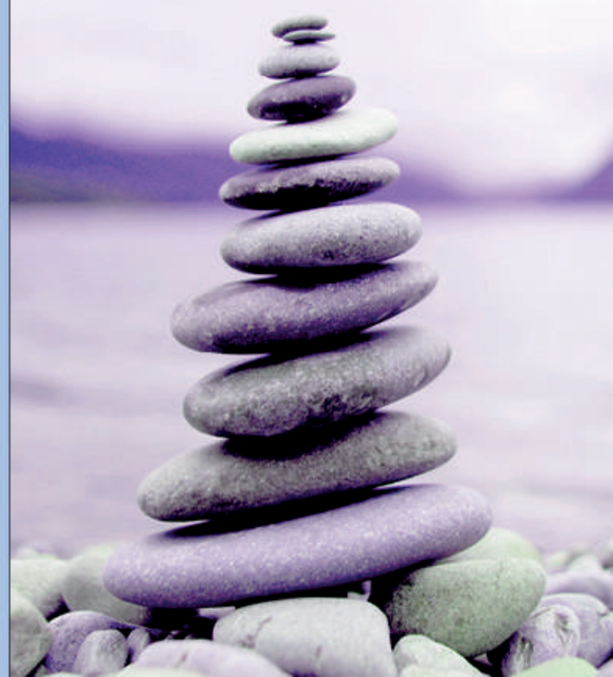

जून 2026 की झलकियाँ

हरित संकल्प की नई उड़ान
'एक पेड़ माँ के नाम 3.0' का शुभारंभ

नई दिल्ली, 5 जून: माननीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान ने पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय क्र. 1, दिल्ली कैंट में पौधारोपण कर 'एक पेड़ माँ के नाम 3.0' अभियान का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया। विद्यालय भ्रमण के दौरान उन्होंने विद्यार्थियों से संवाद किया तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और पीएम श्री योजना के अंतर्गत संचालित प्रमुख पहलों की समीक्षा की। इस अवसर पर केन्द्रीय विद्यालय संगठन के आयुक्त श्री विकास गुप्ता सहित संगठन के अनेक वरीय अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम ने विद्यार्थियों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता और उत्तरदायित्व की भावना को प्रोत्साहित किया तथा समग्र और सतत शिक्षा के क्षेत्र में केन्द्रीय विद्यालय संगठन के प्रयासों को भी प्रदर्शित किया। 'एक पेड़ मां के नाम' देश में पर्यावरण संरक्षण की दिशा में केंद्र सरकार की एक सशक्त पहल है और इस वर्ष यह अभियान आगामी 30 सितंबर तक जारी रहेगा।

12वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस
देशभर के केन्द्रीय विद्यालयों में किया गया सामूहिक योगाभ्यास

नई दिल्ली, 21 जून 2026: 'स्वस्थ आयु के लिए योग' की थीम लेकर 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर देशभर के सभी केन्द्रीय विद्यालयों में समान योग प्रोटोकॉल के अंतर्गत सामूहिक योगाभ्यास का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक योगाभ्यास कर स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संकल्प लिया। इस दौरान केन्द्रीय विद्यालय संगठन के आयुक्त श्री विकास गुप्ता ने संगठन के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ दिल्ली के पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय एंड्रयूज गंज में आयोजित योग कार्यक्रम में भाग लिया। उन्होंने विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के साथ विभिन्न योगासन किए तथा सभी को योग को अपनी दैनिक दिनचर्या का अभिन्न अंग बनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने योग के माध्यम से शारीरिक फिटनेस, मानसिक एकाग्रता और सकारात्मक जीवन मूल्यों को बढ़ावा देने का संदेश भी दिया।

स्वच्छ एवं हरित विद्यालय रेटिंग: केन्द्रीय विद्यालयों ने हासिल की शानदार उपलब्धि

स्वच्छ एवं हरित विद्यालय रेटिंग (SHVR) 2025–26 के अंतर्गत 10 केन्द्रीय विद्यालय विजेता बनकर उभरे। यह राष्ट्रीय पहल उन विद्यालयों को सम्मानित करती है, जिन्होंने स्वच्छता, साफ-सफ़ाई, अपशिष्ट प्रबंधन, जल संरक्षण तथा पर्यावरणीय सततता के क्षेत्र में अनुकरणीय कार्य किया है।

यह उल्लेखनीय उपलब्धि केन्द्रीय विद्यालय संगठन की उस दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाती है, जिसके माध्यम से वह स्वच्छ, हरित और स्वस्थ शिक्षण वातावरण के निर्माण के लिए निरंतर प्रयासरत है। यह पहल सतत विकास और पर्यावरण संरक्षण के वैश्विक लक्ष्य के अनुरूप है।

विजेता केन्द्रीय विद्यालयों का मूल्यांकन स्वच्छता व्यवहार, हरित परिसर, संसाधन संरक्षण, विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी तथा पर्यावरण-अनुकूल नवाचारों जैसे विभिन्न महत्वपूर्ण मानकों के आधार पर किया गया। यह सफलता न केवल विद्यालयों की उत्कृष्टता को दर्शाती है, बल्कि अन्य संस्थानों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।

विजेता केन्द्रीय विद्यालयों की सूची:

1. पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय खटीमा
2. पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय बीएसएफ पानीसागर
3. पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय टूटिंग
4. पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय एएफएस उत्तरलाई
5. पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय दिनजान
6. पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय कांकेर
7. पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय आईटीबीपी करेरा
8. पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय आईटीबीपी जोशीमठ
9. पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय ओट्टपालम
10. केन्द्रीय विद्यालय क्र. 2 ओएनजीसी अगरतला

खुलते विद्यालय, संवरते भविष्य

शामली को मिला शिक्षा का नया केंद्र, श्री जयंत चौधरी ने किया शिलान्यास

शामली, 28 जून 2026: उत्तर प्रदेश के शामली में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की मजबूत आधारशिला रखते हुए केन्द्रीय शिक्षा राज्य मंत्री और कौशल विकास एवं उद्यमिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री जयंत चौधरी ने जिले को केन्द्रीय विद्यालय की महत्वपूर्ण सौगात दी। उन्होंने शामली के कांबडौत गांव में केन्द्रीय विद्यालय शामली के अस्थायी परिसर का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उनके साथ के.वि.सं के संयुक्त आयुक्त (कार्मिक) नगेन्द्र गोयल भी उपस्थित रहे। इस दौरान उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए श्री जयंत चौधरी ने कहा कि शामली में केन्द्रीय विद्यालय की स्थापना की मांग लंबे समय से की जा रही थी। उन्होंने इसे जिले के लिए एक ऐतिहासिक एवं महत्वपूर्ण शैक्षणिक उपलब्धि बताते हुए कहा कि आज पूरी दुनिया ज्ञान-आधारित अर्थव्यवस्था की ओर तेजी से अग्रसर है। ऐसे समय में शामली में केन्द्रीय विद्यालय के निर्माण से न केवल विद्यार्थियों को उत्कृष्ट शैक्षणिक वातावरण मिलेगा, अपितु उन्हें राष्ट्रीय एवं वैश्विक स्तर की चुनौतियों का सामना करने के लिए भी तैयार करेगा।

शिक्षा के नए युग का शुभारंभ, धनवार को मिली के.वि. की सौगात

धनवार, 17 जून 2026: झारखंड के गिरीडीह जिले में स्थित धनवार क्षेत्र में मा. केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती अन्नपूर्णा देवी ने केन्द्रीय विद्यालय धनवार का विधिवत शुभारंभ कर क्षेत्रवासियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की नई सौगात दी। इस दौरान मा. मंत्री ने बच्चों के साथ विद्या प्रवेश गतिविधि में भाग लिया और उन्हें उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं भी दीं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार का संकल्प है कि ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों के बच्चों को भी महानगरों के समान उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा उपलब्ध हो। केन्द्रीय विद्यालय धनवार की स्थापना इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। गौरतलब है कि के.वि. धनवार उन 85 केन्द्रीय विद्यालयों में शामिल है, जिन्हें केंद्र सरकार द्वारा दिसंबर 2024 में संस्वीकृत किया गया था।

ज्ञान की नई किरण: तीसरे केन्द्रीय विद्यालय से सशक्त होगा दरभंगा

दरभंगा, 29 जून 2026: जिले में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए दरभंगा के मा. सांसद डॉ. गोपाल जी ठाकुर ने कोल्हंटा पटोरी स्थित राजकीय उच्च विद्यालय परिसर में केन्द्रीय विद्यालय क्र. 3 एम्स दरभंगा के अस्थायी भवन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर मा. सांसद ने कहा कि दरभंगा में तीसरे केन्द्रीय विद्यालय के प्रारंभ होने से जिले की शिक्षा व्यवस्था को नई मजबूती मिलेगी तथा विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा अपने ही क्षेत्र में उपलब्ध हो सकेगी। उन्होंने जानकारी दी कि विद्यालय में बाल वाटिका तथा कक्षा 1 से 5 तक के संचालन के लिए सभी आवश्यक शैक्षणिक एवं प्रशासनिक तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। प्रथम चरण में 320 विद्यार्थियों के लिए नामांकन प्रक्रिया भी सफलतापूर्वक पूरी कर ली गई है, जिससे नए शैक्षणिक सत्र में नियमित पठन-पाठन प्रारंभ किया जा सकेगा।

उभरते सितारे

विश्व मंच पर आद्रित का जलवा, जीता स्वर्ण पदक

केन्द्रीय विद्यालय ओएनजीसी जोरहाट के छात्र मास्टर आद्रित कश्यप ने जून 2026 में गुजरात के अहमदाबाद में आयोजित अंतरराष्ट्रीय योग प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने अपनी मेहनत, लगन और नियमित अभ्यास के बल पर यह उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की। अंतरराष्ट्रीय स्तर की इस प्रतियोगिता में आद्रित ने अपने शानदार प्रदर्शन से न केवल विद्यालय, बल्कि पूरे के.वि.सं. परिवार को भी गौरवान्वित किया।

मयंक की दमदार एंट्री, सहदेव की भूमिका में आएंगे नज़र

पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय कोलीवाड़ा में कक्षा 4 के छात्र मास्टर मयंक यादव का चयन सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न के हिन्दी धारावाहिक 'हस्तिनापुर के वीर' के लिए हुआ। मयंक का चयन इस धारावाहिक में प्रमुख पात्र सहदेव की भूमिका निभाने के लिए किया गया है। अपनी प्रतिभा, आत्मविश्वास और उत्कृष्ट अभिनय कौशल के बल पर यह उपलब्धि हासिल करने वाले मयंक के इस धारावाहिक का प्रसारण 2 जून 2026 से शुरू हो चुका है।

रियलिटी शो के लिए गरिमा का चयन

पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय एनएफसी, विज्ञान विहार में कक्षा 12वीं की छात्रा गरिमा चौधरी का चयन टेलीविज़न पर प्रसारित लोकप्रिय हिन्दी रियलिटी शो 'इंडियाज़ बेस्ट डांसर सीज़न-5' के लिए हुआ है। 6 जून 2026 को सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न पर प्रसारित लोकप्रिय हिन्दी रियलिटी शो 'इंडियाज़ बेस्ट डांसर सीज़न-5' में गरिमा ने अपनी मनमोहक प्रस्तुति से दर्शकों और निर्णायकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप के लिए राजवीर का चयन

पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय एएफएस हाई ग्राउंड्स, चंडीगढ़ के प्रतिभाशाली छात्र राजवीर सिंह का अंडर-15 बालक वर्ग में भारत का प्रतिनिधित्व करने हेतु एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप के लिए चयन हुआ है। यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता 25 जून से 5 जुलाई 2026 तक थाईलैंड में आयोजित की जाएगी। राजवीर ने अपनी कड़ी मेहनत, अनुशासन और लगन के बल पर राष्ट्रीय चयन प्रक्रिया में यह सफलता प्राप्त की है। उनको उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं।

संरक्षक: विकास गुप्ता, आईएएस, आयुक्त, के.वि.सं.
प्रधान संपादक: चंदना मंडल, अपर आयुक्त (शै.)
संपादक मंडल: सोमित श्रीवास्तव संयुक्त आयुक्त (शै.), रत्ना पाठक, सहायक शिक्षा अधिकारी, सचिन राठौर, सहायक संपादक
सहभागी: समस्त केन्द्रीय विद्यालय
संपादकीय सलाहकार सुरभि गोयल, कंटेंट राइटर; अमन, कंटेंट राइटर; संजना जांगड़ा, ग्राफिक डिजाइनर
सभी संभाग अपनी टिप्पणी और विशेष स्टोरी निम्न मेल आईडी पर भेज सकते हैं: kvschronicle@gmail.com
© केन्द्रीय विद्यालय संगठन
यह ई-प्रकाशन केवल आंतरिक वितरण हेतु के.वि.सं. (मु.) द्वारा प्रकाशित।